लायन्स स्कूल, मीरजापुर
अर्द्धवार्षिक परीक्षा – 2020–21

कक्षा– 12 समय – 3 घण्टे
विषय– हिन्दी (ऐच्छिक) कुल अंक – 80

सामान्य निर्देशः–
1. इस प्रश्न पत्र में तीन खण्ड हैं– क, ख, ग ।
2. तीनों खण्डों में प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथा संभव तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए ।

खण्ड–क

प्रश्न.1– निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उनके नीचे दिए गए बहुविकल्पी प्रश्नों में से सही उत्तर (विकल्प)का चयन करें । 10

श्रमहीन शरीर की दशा जंग लगी हुई चाबी की तरह अथवा अन्य किसी उपयोगी वस्तु की तरह निष्क्रिय हो जाती है। शारीरिक श्रम वस्तुतः जीवन का आधार है, जीवंतता की पहचान है। योगाभ्यास में तो पहली शिक्षा होती है आसन आदि के रूप में गंभीर को श्रमशीलता का अभ्यस्त बनाना ।

महात्मा गांधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थें । वह प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से संबधित प्रत्येक कार्य ,सफाई तक स्वयं करेगा । उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है।

ऋषि– मुनियों ने कहा है – बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुतः चोर है। महात्मा गांधी का समस्त जीवन दर्शन श्रम सापेक्ष था । उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता था कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादनकर्ता होना चाहिए । उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं । न गरीबी कम होने मे आती है, न बेरोजगारी पर नियंत्रण हो पा रहा है। अपराधों की रोकथाम भी हमारे वश की बात नहीं । दक्षिण कोरियावासियों ने श्रमदान करके ऐसे श्रेष्ठ भवनों का निर्माण किया है, जिनसे किसी को भी ईर्ष्या हो सकती है ˙

श्रम के अवज्ञा के परिणाम का सबसे ज्वलन्त उदाहरण है, हमारे देश में व्याप्त शिक्षित वर्ग की बेकारी ।

हमारा शिक्षित युवा वर्ग श्रमपरक कार्य करने से परहेज करता है । वह यह नही सोचताहै कि शारीरिक श्रम परिणामतः कितना सुखद होता है। पसीने से सिंचित वृक्ष में लगने वाला फल कितना मीठा होता है । 'दिन अस्त और मजदूर मस्त' इसका भेद जानने के लिए महात्मा ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों को यह परामर्श दिया था कि तुम केवल पसीने की कमाई खाओगें। पसीना टपकने के बाद मन को संतोष और तन को सुख मिलता है, भूख भी लगता है ओर चैन की नींद भी आती है।

1. श्रमहीन शरीर की दशा किसके समान होती है ?
   (क) जीवन की पहचान की तरह
   (ख) उपयोगी वस्तु की तरह
   (ग) मोटे हाथी की तरह

(घ) जंग लगी चाबी की तरह

2. 'योगाभ्यास ' शब्द किस प्रकार बना है ?
(क) योग + भ्यास
(ख) यो + भ्यास
(ग) योगा + भ्यास
(घ) योग + अभ्यास

3. महात्मा गांधी किस बात पर बल देते थे ?
(क) सफ़ाई करने पर
(ख) चरखा कातने पर
(ग) खादी प्रचार पर
(घ) अपना काम अपने हाथ से करने पर

4. महात्मा गांधी की नीतियों की उपेक्षा का परिणाम है ?
(क) गरीबी कम नहीं होती
(ख) अपराधों की रोकथाम नही हो रही
(ग) बेरोजगारी पर नियंत्रण नहीं रहा
(घ) उपर्युक्त सभी बातें ।

5. महात्मा ईशा ने अपने अनुयायीयों को क्या परामर्श दिया था ?
(क) चैन की नींद सोओ
(ख) कष्ट पूर्ण जीवन बिताओ
(ग) सुख का भोग करो
(घ) केवल पसीने की कमाई खाओ

6. श्रम न करने वाले कौन –सा अन्न खाते हैं ?
(क) पका हुआ अन्न खाते हैं ।
(ख) कच्चा अन्न खाते हैं ।
(ग) दान का अन्न खाते हैं ।
(घ) पाप का अन्न खाते हैं ।

7. पसीना टपकाने के बाद मनुष्य को क्या मिलता है ?
(क) मनुष्य को थकान मिलता है ।
(ख) जीवन में निराशा मिलता है
(ग) शारीरिक श्रम से परहेज करने लगता है।
(घ) मन को संतोष और तन को सुख मिलता है ।

8. गांधी जी का समस्त अर्थशास्त्र क्या बताता है ?
(क) प्रत्येक व्यक्ति को काम करना जरूरी नहीं है ।
(ख) प्रत्येक व्यक्ति को अपना ध्यान देना चाहिए ।
(ग) प्रत्येक व्यक्ति को धन जुटाना चाहिए ।
(घ) प्रत्येक व्यक्ति को उत्पादनकर्ता होना चाहिए ।

9. ऋषि–मुनियों ने श्रम न करने वालों को क्या कहा है ?
(क) चालाक कहा है ।
(ख) विलासी कहा है ।
(ग) आलसी कहा है ।

(घ) चोर कहा है ।

10. प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक है –

(क) अपना हाथ जगन्नाथ
(ख) अपना दीपक स्वयं बनो
(ग) कर बहियाँ आपनी छाँड़ि विरानी आस
(घ) उपर्युक्त सभी ।

प्रश्न.2– निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उनके नीचे दिए गए बहुविकल्पी प्रश्नों में से सही उत्तर (विकल्प)का चयन करें । 1X8=8

बार–बार आती है मुझको मधुर याद बचपन तेरी ।
गया ले गया तू जीवन की सबसे मस्त खुशी मेरी ।।
चिंता – रहित खेलना, खाना, वह फिरना निर्भय स्वच्छंद,
कैसे भूला जा सकता है, बचपन का अतुलित आनंद ?
रोना और मचल जाना भी क्या आनंद दिखाते थ ।,
बड़े–बड़े मोती से आँसू जयमाला पहनाते थे ।
मैं बचपन को बुला रही थी बोल उठी बिटिया मेरी,
नंदन वन–सी फूल उठी यह , छोटी सी कुटिया मेरी ।
माँ ओ ! कहकर बुला रही थी मिट्टी खाकर आई थी
कुछ मुख में कुछ लिए हाथ में मुझे खिलाने लाई थी
मैनें पूछा– '' यह क्या लाई ?'' बोल उठी वह – ''माँ काओ''
हुआ प्रफुल्लित हृदय खुशी से मैंने कहा– '' तुम्हीं खाओ। ''

1. कवहयत्री को बार–बार बचपन की याद क्यों आती है ? (अनुपयुक्त कथन चुनें)

(क) बचपन के दिन चिंता रहित होते हैं ।
(ख) बचपन के दिन स्वच्छंद और उल्लासपूर्ण होते है ।
(ग) बचपन के दिन मधुर होते है
(घ) बच्चे सबको प्यारे लगते हैं ।

2. बचपन की कौन –सी बात भूली नहीं जा सकती ? (अनुपयुक्त कथन चुनें)

(क) उल्लासपूर्वक खेलना–कूदना, चिंता रहित जीवन
(ख) मचलना
(ग) माता–पिता से अपनी हठ पूरी करवाना
(घ) कोई काम न करना

3. 'नंदनवन' का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? (सही विकल्प चुनें)

(क) अपने लिए अपनी पुत्री के लिए
(ख) स्वयं के लिए
(ग) अपने घर के लिए
(घ) अपनी बिटिया के लिए

4. 'बड़े–बड़े मोती से आँसू जयमाला पहनाते थे' पंक्ति में कौन–सा अलंकार है ?

(क) अनुप्रास
(ख) रूपक

(ग) उत्प्रेक्षा
(घ) उपमा

5. तत्सम शब्द छाँटिए –
(क) मिट्टी
(ख) हाथ
(ग) आँसू
(घ) मुख

6. मैंने पूछा– ''यह क्या लाई ?'' पंक्ति में कौन–सा भाव छिपा है ?
(क) दया का भाव
(ख) उत्साह का भाव
(ग) गुस्से का भाव
(घ) ममत्व का भाव

7. 'अतुलित आनंद' शब्द का अर्थ बताइए ?
(क) जिसको तौलने का बाट बाजार से लेना हो
(ख) जिसको तौलने का बाट खोटा हो
(ग) जिस आनंद का तौल भारी हो।
(घ) जिस आनंद की कोई तुलना न हो ।

8. प्रस्तुत काव्यांश का उचित शीर्षक बताइए–
(क) ठुमकना
(ख) वात्सल्य
(ग) दंतुरित
(घ) बचपन

खण्ड–ख (कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन)

प्रश्न.3– दिए गए नए और अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक विषय पर रचनात्मक लेखन लिखिए– 1X4=4

क. आपके अनुसार गरीबी क्या है ? भारत में गरीबी झेल रहे लोगों को किन–किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है? इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए एक लेख लिखिए ।

अथवा

''स्वच्छता आज की अनिवार्य आवश्यकता । '' इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बताइए कि स्वच्छता की आदत में कुशल होने का सबसे सही समय क्या हो सकता है ?

प्रश्न.4– आपके कुछ साथी विद्यालय में छोटी कक्षाओं के विद्यार्थियों को बहुत सताते है । इस समस्या के बारे में प्रधानाचार्य को उपाय सुझाते हुए पत्र लिखिए । 4

अथवा

सड़क चौड़ा करने के बहाने आवश्यकता से अधिक पेड़ काटे गए । इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए वन एवं पर्यावरण विभाग को पत्र लिखिए ।

प्रश्न.5– क. नाटक लेखन में समय का बंधन क्या है? यह किस प्रकार रचना पर अपना असर डालता है ? 3X1=3

अथवा

कविता लेखन के आवश्यक प्रमुख तीन घटकों का वर्णन कीजिए ।

ख. समाचार की उल्टा पिरामिड शैली किसे कहते हैं । उल्टा पिरामिड शैली में समाचार लेखन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए । 2X1=2

अथवा

समाचार लेखन से क्या अभिप्राय है? समाचार लेखन के प्रकार पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न.6– 'बढ़ती जनसंख्या दर घटती सुविधाएँ' विषय पर लगभग 80 शब्दों में एक फीचर लिखिए । 4X1=4

अथवा

'प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग और दुष्परिणामों पर एक आलेख लिखिए ।

प्रश्न.7– विभिन्न माध्यमों के लिए पत्रकारीय लेखन ओर उसके विविध आयामों पर दिए गए बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1X5=5

1. पत्रकारिता की भाषा में मुखड़ा को और क्या कहते है ?
   (क) इंट्रो या लीड कहते हैं ।
   (ख) कलेवर कहते हैं ।
   (ग) बॉडी कहते हैं ।
   (घ) समापन कहते हैं ।
2. किसी घटना समस्या या मुद्दे की गहन छानबीन और विश्लेषण को कहते हैं –
   (क) स्तंभ लेखन
   (ख) आलेख लेखन
   (ग) फीचर लेखन
   (घ) समाचार लेखन
3. संवाददाता के रूचि, ज्ञान के आधार पर उनके कार्य विभाजन को मीडिया की भाषा में कहते है–
   (क) बीट
   (ख) आमुख
   (ग) अनुच्छेद
   (घ) क्षेत्र
4. वस्तुपरकता का क्या अर्थ है ?
   (क) सत्यता, देखने का रूप
   (ख) प्रत्यक्षदर्शी
   (ग) देखकर परखना
   (घ) देखते रहना
5. सरकार के काम काज पर निगाह रखने वाली पत्रकारिता का नाम बताइए ।
   (क) वॉचडॉग पत्रकारिता

(ख) पीत पत्रकारिता
(ग) पेज थ्री पत्रकारिता
(घ) खोजी पत्रकारिता

खण्ड–ग (अंतरा भाग –2 , अंतराल भाग –2)

प्रश्न.8– निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश की 120–150 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 5

अरूण यह मधुमय देश हमारा ।
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा ।
सरस तामरस गर्भ विभा पर नाच रही तरूशिखा मनोहर ।
छिटका जीवन हरियाली पर मंगल कुंकुभ सारा ।
लघु सुरधनु से पंख पसारे शीतल मलय समीर सहारे ।
उड़ते खग जिस ओर मुँह किए– समझ नीड़ निज प्यारा ।

अथवा

विधि न सकेउ सहि मोर दुलारा । नीच बीचु जननी मिस पारा ।।
यहउ कहत मोहि आजु न सोभा । अपनी समुझि साधु सुचि कोभा ।।
मातु मंदि मैं साधु सुचाली । उर उस आनत कोटि कुचाली ।।
फरह कि कोदव बालि सुलाली । मुकता प्रसव कि संबुक काली ।।
सपनेहु दोसक लेसु न काहू। मोर अभाग उदधि अवगाहू ।।
बिनु समुझें जिन अध परिपाकू । जारिउँ जायँ जननि कहि काकू ।।

प्रश्न.9– क. 'सत्य' कविता के आधार पर बताइए कि सत्य को पुकारने पर क्या होता है ?

अथवा 3

'बसंत आया' कविता में कवि की चिंता क्या है । उसका प्रतिपाद्य लिखिए ।

ख. कवि ने मानव–मन की क्या दशा बताई है,? 'तोड़ो' कविता के आधार पर लिखिए । 2

अथवा

मैं जानउँ निज नाथ सभाउ। ' में राम के स्वभाव की किन विशेषताओं की ओर संकेत किया गया है ?

प्रश्न.10– निम्नलिखित में से किसी दो के काव्य सौन्दर्य पर 80–100 शब्दों में प्रकाश डालिए।

3X2=6

क. हेमकुंभ ले उषा सबेरे– भरती ढुलकाती सुख मेरे ।
मदिर ऊँघते रहते जब– जगकर रजनी भर तारा ।।

ख. कोई छह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो –
खिली हुई हवा आई, फिरकी सी आई , चली गई ।

ग. भरत सौगुनी सार करत हैं अति प्रिय जानि तिहारे ।
तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिममारे ।।

प्रश्न.11– निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या 80–100 शब्दों में कीजिए – 5

धर्म के रहस्य जानने की इच्छा प्रत्येक मनुष्य न करे , जो कहा जाए वही कान ढलकाकर सुन ले, इस सत्ययुगी मत के समर्थन में घड़ी का दृष्टांत बहुत तालियाँ पिटवा कर दिया जाता है। घड़ी समय बतलाती है। किसी घड़ी को देखना जानने वाले से समय पूछ लो और काम चला लो ं यदि अधिक करो तो घड़ी देखना स्वयं सीख लो , किंतु तुम चाहते हो कि घड़ी का पीछा खोलकर देखें, पुर्जे गिन लें, उन्हें खोलकर फिर जमा दें,साफ़ करके फिर लगालें– यह तुमसे नहीं होगा ! तुम इसके अधिकारी नहीं ।

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर भारत की सबसे बड़ी ट्रेजड़ी यह नहीं है कि शासक वर्ग ने औद्योगीकरण का मार्ग चुना , ट्रेजेडी यह रही है कि पश्चिम की देखा– देखी नकल मे योजनाएँ बनाते समय प्रकृति , मनुष्य और संस्कृति के बीच का नाजुक संतुलन किस तरह नष्ट होने से बचाया जा सकता है। – इस ओर हमारे पश्चिम शिक्षित सत्ताधारियों का ध्यान कभी नहीं गया । हम बिना पश्चिम को मॉडल बनाए, अपनी शर्तों और मर्यादाओं के आधार पर, औद्योगिक विकास का भारतीय स्वरूप निर्धारित कर सकते हैं , कभी इसका ख्याल भी हमारे शासको को आया हो, ऐसा नहीं जान पड़ता ं

प्रश्न.12– क. 'प्रेमघन की छाया–स्मृति' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक का हिंदी साहित्य के प्रति झुकाव किस तरह बढ़ता गया ? 3

अथवा

. 'संवदिया' कहानी की मूल संवेदना क्या है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए ।

ख. बालक ने क्यों कहा कि मैं यावजन्म लोक सेवा करूँगा । 2

अथवा

लेखक नवागाँव कब गया था ? वहाँ की दशा कैसी थी ?

प्रश्न.13– रामचंद्र शुक्ल अथवा जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 4

अंतराल भाग–2

प्रश्न.14–

क. सूरदास को किस बात का दुख था? उसके मन में कौन–कौन से सपने थे जो झोंपड़ी जलने पर टूट गए ? 3

ख. जगधर के मन में किस तरह का ईष्या भाव जगा और क्यों ? 3

ग. 'आरोहण' कहानी के आधार पर भूपसिंह और रूप सिंह के स्वभाव और परिस्थितयों के अंतर को अपने शब्दों में लिखिए । 2

घ. शैला और भूप ने मिलकर किस तरह पहाड़ पर अपनी मेहनत से नयी ज़िंदगी की कहानी लिखी ? 2